बिहार स्पेशल

राज्य स्वास्थ्य समिति की समीक्षा

चर्चा में क्यों?

सितंबर, 2024 में राज्य स्वास्थ्य समिति की समीक्षा के अनुसार:

- बिहार के जिला अस्पतालों में उपलब्ध ऑनलाइन सुविधाओं को उपलब्ध कराने में उत्तर बिहार के जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।
- जिला अस्पतालों में किशनगंज, कटिहार और सुपौल शीर्ष पर हैं।
    - जिला अस्पताल किशनगंज 98.9 प्रतिशत अंकों के साथ पहले स्थान पर है।
    - दूसरे स्थान पर कटिहार को 98.7 और तीसरे स्थान पर सुपौल को 97.5 प्रतिशत अंक मिले हैं।
- ऑनलाइन सुविधाओं के प्रदर्शन में हाजीपुर, भोजपुर और नवादा को सबसे कम अंक मिले हैं।

राजव्यवस्था एवं शासन

शास्त्रीय भाषाएँ

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने को मंजूरी दे दी है।

- इसमें शामिल मुख्य राज्य महाराष्ट्र (मराठी), बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश (पाली और प्राकृत), पश्चिम बंगाल (बंगाली) और असम (असमिया) हैं।

शास्त्रीय भाषाओं की कुल संख्या:

- इन पाँच नई भाषाओं के जुड़ने से शास्त्रीय भाषाओं की कुल संख्या बढ़कर 11 हो गई है।
- 2004 में तमिल को पहली शास्त्रीय भाषा घोषित किया गया था।
    - उसके बाद 2005 में संस्कृत, 2008 में तेलुगु और कन्नड़, 2013 में मलयालम और 2014 में ओडिया को शास्त्रीय भाषा घोषित किया गया।
- **महत्व:** यह भारत की गहन और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक के रूप में कार्य करता है, तथा प्रत्येक समुदाय के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मील के पत्थर का सार समाहित करता है।

शास्त्रीय भाषा के लिए संशोधित मानदंड:

- इसकी उच्च प्राचीनता 1500-2000 वर्षों की अवधि में प्रारंभिक ग्रंथों/अभिलेखित इतिहास है।
- प्राचीन साहित्य/ग्रंथों का एक समूह, जिसे बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा विरासत माना जाता है।
- ज्ञान ग्रंथ, विशेष रूप से कविता के अलावा गद्य ग्रंथ, पुरालेखीय और शिलालेखीय साक्ष्य।
- शास्त्रीय भाषाएँ और साहित्य अपने वर्तमान स्वरूप से अलग हो सकते हैं या अपनी शाखाओं के बाद के रूपों से अलग हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय संबंध

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में भारत के प्रवेश के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

- ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), वैधानिक एजेंसी, को भारत की ओर से हब के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।
- **महत्व:** यह भारत को रणनीतिक ऊर्जा प्रथाओं और अभिनव समाधानों को साझा करने वाले एक विशेष 16-राष्ट्र समूह तक पहुँच प्राप्त करने में मदद करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब

- यह एक वैश्विक मंच है जो दुनिया भर में सहयोग को बढ़ावा देने और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।
  - यह हब ज्ञान, सर्वोत्तम प्रथाओं और अभिनव समाधानों को साझा करने के लिए सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और निजी क्षेत्र की संस्थाओं को एक साथ लाता है।
- इसे 2020 में ऊर्जा दक्षता सहयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी (IPEEC) के उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित किया गया था।
- जुलाई, 2024 तक, सोलह देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, डेनमार्क, यूरोपीय आयोग, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया, लक्जमबर्ग, रूस, सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम) हब में शामिल हो चुके हैं।

चर्चित योजनाएं

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (एनएमईओ - तिलहन)

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (एनएमईओ -तिलहन) को मंजूरी दे दी है।

- **उद्देश्य:** घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) हासिल करना।
  - यह रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी और तिल जैसी प्रमुख प्राथमिक तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
  - यह उच्च उपज देने वाली उच्च तेल सामग्री वाली बीज किस्मों को अपनाने, चावल की परती भूमि में खेती का विस्तार करने और अंतर-फसल को बढ़ावा देने के द्वारा प्राप्त किया जाएगा।
- **कार्यान्वयन की अवधि:** इसे 2024-25 से 2030-31 तक सात वर्षों की अवधि में कार्यान्वित किया जाएगा, जिसका वित्तीय परिव्यय 10,103 करोड़ रुपये होगा।
- **मुख्य लक्ष्य:**
  - इसका उद्देश्य चावल और आलू की परती भूमि को लक्षित करके, अंतर-फसल को बढ़ावा देकर और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देकर तिलहन की खेती को अतिरिक्त 40 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाना है।
  - इसका उद्देश्य प्राथमिक तिलहन उत्पादन को 39 मिलियन टन (2022-23) से बढ़ाकर 2030-31 तक 69.7 मिलियन टन करना है।
  - एनएमईओ-ओपी (ऑयल पाम) के साथ मिलकर, मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक घरेलू खाद्य तेल उत्पादन को 25.45 मिलियन टन तक बढ़ाना है, जो हमारी अनुमानित घरेलू आवश्यकता का लगभग 72% पूरा करेगा।
- **साथी पोर्टल:**
  - गुणवत्तायुक्त बीजों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, मिशन 'बीज प्रमाणीकरण, पता लगाने योग्यत और समग्र सूची (एसएटीएचआई)' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन 5-वर्षीय रोलिंग बीज योजना शुरू करेगा।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई)

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत सभी केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) को युक्तिसंगत बनाने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

- यह इन योजनाओं को दो प्रमुख पहलों में समेकित करेगा: प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई)।
  - पीएम-आरकेवीवाई टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देगी, जबकि केवाई खाद्य सुरक्षा और कृषि आत्मनिर्भरता को संबोधित करेगी।
  - दोनों योजनाओं को 1,01,321.61 करोड़ रुपये के कुल प्रस्तावित व्यय के साथ लागू किया जाएगा।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई): इसमें निम्नलिखित योजनाएं शामिल हैं:
  - मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन
  - वर्षा आधारित क्षेत्र विकास
  - कृषि वानिकी
  - परंपरागत कृषि विकास योजना
  - फसल अवशेष प्रबंधन सहित कृषि मशीनीकरण
  - प्रति बूंद अधिक फसल
  - फसल विविधीकरण कार्यक्रम
  - आरकेवीवाई डीपीआर घटक
  - कृषि स्टार्टअप के लिए त्वरक निधि
- राज्यों को उनकी विशिष्ट आवश्यकता के आधार पर एक घटक से दूसरे घटक में धनराशि पुनः आवंटित करने की लचीलापन प्रदान किया गया है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर झारखंड के हजारीबाग से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) की शुरुआत की।

- उद्देश्य: इसका उद्देश्य भारत सरकार के 17 मंत्रालयों द्वारा अभिसरण और आउटरीच द्वारा कार्यान्वित 25 हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को भरना है; और आदिवासी क्षेत्रों और समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करना है।

अभियान के प्रमुख प्रावधान:

- इसमें 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी आदिवासी बहुल गांवों और आकांक्षी ब्लॉकों में फैले 549 जिलों और 2,911 ब्लॉकों के लगभग 63,843 गांवों को शामिल किया जाएगा, जिससे 5 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों को लाभ मिलेगा।
- इस योजना का कुल परिव्यय 79,156 करोड़ रुपये है (केंद्रीय हिस्सा: 56,333 करोड़ रुपये और राज्य हिस्सा: 22,823 करोड़ रुपये)।

विविध

भारत की पहली सुपर-कैपेसिटर उत्पादन इकाई

चर्चा में क्यों?

केलट्रॉन कंपोनेंट कॉम्प्लेक्स लिमिटेड (केसीसीएल) ने **केरल के कन्नूर में भारत की पहली सुपर-कैपेसिटर उत्पादन इकाई स्थापित की है।**

- इससे लाभान्वित होने वाले उद्योगों में परिवहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहन और औद्योगिक शामिल हैं।
- **महत्व:** यह इलेक्ट्रॉनिक घटकों का विश्व स्तरीय निर्माता बनने की दिशा में एक बड़ा कदम है

सुपर-कैपेसिटर के बारे में:

- यह एक उच्च क्षमता वाला कैपेसिटर है जिसकी धारिता सामान्य कैपेसिटर से बहुत अधिक होती है लेकिन इसकी वोल्टेज सीमा कम होती है।

- यह इलेक्ट्रोलाइटिक कैपेसिटर की तुलना में प्रति इकाई आयतन या द्रव्यमान में 100 गुना अधिक ऊर्जा संग्रहीत करता है।
- इनका उपयोग ऑटोमोटिव, नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक कई अनुप्रयोगों में किया जा रहा है।

चर्चित व्यक्तित्व

जिमी कार्टर

चर्चा में क्यों?

39वें अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर 1 अक्टूबर, 2024 को 100 वर्ष के हो जाएंगे।

- वे 100 वर्ष की उम्र तक पहुंचने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं।
  - सबसे लंबे समय तक जीने वाले राष्ट्रपतियों के पिछले रिकॉर्ड धारक जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश थे, जिनका 2018 में 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।
- मौजूदा राष्ट्रपति जो बिडेन 81 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज अमेरिकी राष्ट्रपति होने का रिकॉर्ड रखते हैं।

जिमी कार्टर के बारे में:

- जन्म 1 अक्टूबर, 1924 को प्लेन्स, जॉर्जिया में हुआ।
- उन्होंने 1977 से 1981 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।
- 2002 में, उन्हें दुनिया भर में शांति को बढ़ावा देने और मानवाधिकारों की वकालत करने के लिए **नोबेल शांति पुरस्कार मिला।**

आरती सरीन

चर्चा में क्यों?

सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन ने सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (DGAFMS) के महानिदेशक का पदभार संभाला

- **महत्व:** वह AFMC की महानिदेशक बनने वाली पहली महिला डॉक्टर हैं।

DGAFMS:

- यह सीधे रक्षा मंत्रालय के अधीन काम करता है और सेना से संबंधित चिकित्सा नीति मामलों के लिए जिम्मेदार है।

महत्वपूर्ण दिन/ तिथियाँ

विश्व पशु दिवस

चर्चा में क्यों?

यह प्रति वर्ष 4 अक्टूबर को मनाया जाता है।

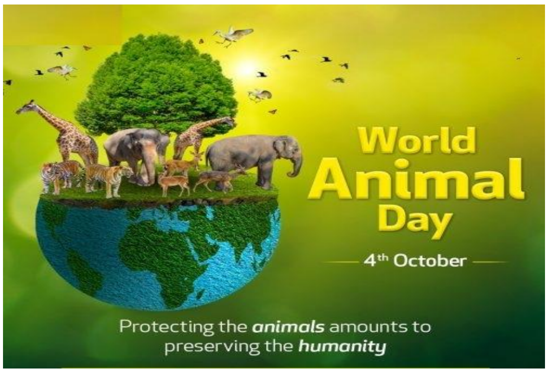

- **थीम 2024:** "दुनिया उनका भी घर है"
- **इस दिन का इतिहास:** इसे पहली बार 24 मार्च, 1925 को जर्मनी के बर्लिन में स्पोर्ट्स पैलेस में मनाया गया था।
- यह दिन पशु चिकित्सक और पशु संरक्षण अधिवक्ता हेनरिक ज़िमरमैन की पहल का प्रतीक है।
- 1929 में, सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के पर्व के साथ संरेखित करने के लिए तारीख को 4 अक्टूबर कर दिया गया, जिन्हें जानवरों के प्रति उनकी करुणा और श्रद्धा के लिए मनाया जाता है।

News in Short

- तेलंगाना नीति आयोग का महिला उद्यमिता मंच अध्याय पाने वाला पहला राज्य बन गया।
  - इसे महिला उद्यमिता हब और तेलंगाना सरकार के सहयोग से लॉन्च किया गया।
  - इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिला उद्यमियों को बढ़ावा देना और उनका समर्थन करना है, उन्हें संसाधन, उपकरण और उनके व्यवसाय के विकास को बढ़ाने के लिए एक मजबूत नेटवर्क प्रदान करना है।
- **हिमाचल प्रदेश का शौचालय कर:**
  - हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने शहरी निवासियों के लिए उनके घरों में शौचालय सीटों की संख्या के आधार पर एक नया कर पेश किया है।
- भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने 2025-26 के लिए पंचायत विकास योजनाओं (पीडीपी) की तैयारी के लिए जन योजना अभियान शुरू किया है।
  - 'सबकी योजना सबका विकास' थीम वाले इस अभियान में ग्रामीण नागरिकों से अपने गांवों के भविष्य को आकार देने में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया गया है।
- उत्तर प्रदेश के अमरोहा के गजरौला निवासी राम सिंह बौद्ध को रेडियो का सबसे बड़ा संग्रह रखने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में मान्यता मिली है।
  - गिनीज रिकॉर्ड रखने वालों ने पुष्टि की है कि "रेडियो का सबसे बड़ा संग्रह 1,257 है और यह राम सिंह बौद्ध के नाम है।"
- गूगल ने हाल ही में फोन पर जेमिनी के साथ बातचीत के लिए अंग्रेजी में जेमिनी लाइव लॉन्च किया है।
  - जेमिनी लाइव अब हिंदी के साथ-साथ आठ अन्य भारतीय भाषाओं- बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तेलुगु, तमिल और उर्दू में भी उपलब्ध है।

❍❍❍❍